NAAC Accredited-2022
'B++' Grade (CGPA-2.96)

Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

Name of faculty: Humanities

मानव्यविद्या शाखा

CBCS & NEP - 2020 Syllabus

चयनाधारित श्रेयांक पद्धति एवं

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के नुसार पाठ्यक्रम

Name of the Course

B.A. Hindi Part-I Sem. I

बी. ए. हिंदी भाग- 1 सत्र:1

Papers

प्रश्नपत्र

DSC - I, GE - I, VSC - I

With effect from June 2024

जून 2024 से आरंभ

B. A. - I Year, Semester - I

बी. ए. प्रथम वर्ष हिंदी, सत्र - प्रथम

(Choice Based Credit- System)

सी. बी. सी. एस. प्रणाली के अनुसार

National Education Policy – 2020

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020

शै. वर्ष - 2024-25 से

Level	Code	Title of the paper	Semester Exam.			Credit	Lectures	Total Com. Credit-s	Degree
	Sem. - I		Theory		Total				
			U.A.	C.A.					
		Major Mandatory							
	DSC -1	आधुनिक हिंदी काव्य	60	40	100	4.00	60		
4.5		Mandatory Elective (Any One)						08	UG 3 Year
	GE-1	हिंदी साहित्य एवं व्यावहारिक हिंदी	30	20	50	2.00	30		
	VSC – I	कथेतर साहित्य (रेखाचित्र एंव जीवनी)	30	20	50	2.00	30		

B. A. – I, Hindi, Semester - I

बी. ए. भाग –1, हिंदी, प्रथम सत्र

DSC – I

Name of the paper : Aadhunik Hindi Kavya

प्रश्नपत्र का नाम: आधुनिक हिंदी काव्य

(Credit Theory- 04, Practicals-0, Total Theory Lectures – 60)

With effect from June - 2024

जून 2024 से आरंभ

प्रस्तावना / Introduction

प्रस्तुत पाठ्यक्रम उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण कर उच्च शिक्षा में प्रवेश लेनेवाले छात्रों के लिए मुख्य हिंदी विषय (DSC-I) के रूप में निर्माण किया गया है। इस पाठयक्रम में छात्रों को हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रति आकृष्ट कर उनकी अभिरुचि को वृद्धिंगत कराने के उद्देश्य से अध्ययनार्थ रचनाओं का चयन किया है। जिनमें सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं धार्मिक परिस्थितियों का संदर्भ मिलता है। अतःहिंदी साहित्य में नैतिकता, राष्ट्रीयता, उदारता, संस्कार, आदर्शवाद एवं परोपकार आदि मूल्यों से छात्र संस्कारित होकर उनमें समाज के प्रति संवेदनशीलता निर्माण होगी।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. छात्रों को हिंदी कवियों से परिचित कराना।
2. छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति रुचि संवर्धित कराना।
3. छात्रों में राष्ट्र प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित कराना।
4. छात्रों में कविता के प्रतिअभिरूचि विकसित कराना।

पाठयक्रम सीखने के परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. छात्र हिंदी कवियों से परिचित होजाएँगे।
2. छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति रुचि निर्माण होगी।
3. छात्रों में राष्ट्रप्रेम और सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित होगी।
4. छात्र सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, पृष्ठाभूमि में हिंदी साहित्य का अध्ययन कर विश्लेषण करेंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. कवि और काव्यधारा पर कक्षा संगोष्ठी आयोजन

अध्ययनार्थ कविताएँ -

इकाई – I कविताएँ **Credit 1 Lectures-15**

1. वह तोडती पत्थर- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
2. कोशिश करने वालों की हार नहीं होती - सोहनलाल द्विवेदी
3. जो बीत गई सो बात गई - डॉ. हरिवंशराय बच्चन

इकाई – II कविताएँ **Credit 1 Lectures - 15**

1. कर्मवीर - आयोध्यासिंह उपाध्यय 'हरिऔध'
2. सचन बोलना - नागार्जुन
3. तुम दीवाली बनकर - गोपालदास सक्सेना'नीरज'

इकाई – III कविताएँ **Credit 1 Lectures - 15**

1. विफलता : शोध की मंजिले - जय प्रकाश नारायण
2. कुछ भी बन, बस कायर मत बन- नरेंद्र शर्मा
3. बेजगह - अनामिका

इकाई – IV गीत-ग़ज़ल **Credit 1 Lectures – 15**

1. कभी धूप तो कभी छाँव – प्रदीप
2. हो गई है पीर पर्वतसी- दुष्यंत कुमार
3. इंदिरा जी की मृत्यु पर - हरिओम पवार

संदर्भ:-

1. हिंदी साहित्यकार चित्रावली- पं. सुधाकर पांडेय, डॉ. कुसुमकुमार पांडेय, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली
2. आधुनिक साहित्य और साहित्यकार- गणपतिचन्द्र गुप्त, ॲटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर, नई दिल्ली
3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राजपाल एंड सन्स, नई दिल्ली
4. हिंदी साहित्य: एक परिचय - डॉ. फणीश सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)
2. लघुत्तरीप्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)
3. टिप्पणी लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)
5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

कुल अंक = 60

B. A. - I Hindi Semester - I

बी. ए. भाग - 1 हिंदी प्रथम सत्र

GE - I

Name of the Paper: Hindi Sahitya Evam Vyavaharik Hindi

प्रश्नपत्र का नाम: हिंदी साहित्य एवं व्यावहारिक हिंदी

(Credit Theory – 2, Practical 0, Total Theory Lectures 30)

With effect from June - 2024

जून 2024 से आरंभ

प्रस्तावना / Introduction

मानव समुदाय की संवेदनशीलता को मार्मिक ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता हिंदी साहित्य में है। राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक आदि परिस्थितियों के साथ ही वृद्ध, स्त्री, दलित, अल्पसंख्यांक, किन्नर आदि विमर्श को वर्तमान समय के हिंदी साहित्य में आसानी से देखा जा सकता है। हिंदी साहित्य में राष्ट्रीयता, नैतिकता, संस्कार, उदारता, परोपकार, आदर्शवाद आदि मूल्यों का अंतर्भाव होता है जिससे पाठक सुसंस्कारित होंगे तथा उन में मानव समुदाय के प्रति संवेदनशीलता निर्माण होंगी। साथ ही वर्तमान समय में हिंदी के माध्यम से रोजगार की विभिन्न संभावनाएँ उपलब्ध होंगी।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course Objectives

1. छात्रों में राष्ट्रीय, सामाजिक एवं मानवीय दृष्टिकोण विकसित करना।
2. हिंदी साहित्य के प्रतिअभिरूचि और समीक्षा- दृष्टि विकसित करना।
3. छात्रों में रोजगार का दृष्टिकोण विकसित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. छात्रों में राष्ट्रीय, सामाजिक एवं मानवी दृष्टिकोण विकसित होगा।
2. हिंदी साहित्य के प्रतिअभिरूचिऔर समीक्षा – दृष्टि विकसित होगी।
3. छात्रों में रोजगार के कौशल विकसित होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching-Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

अध्ययनार्थ रचनाएँ -

इकाई:- I- गद्य एवं पद्य **Credit – 1 Lectures - 15**

1. कफ़न (कहानी) – प्रेमचंद
2. मंगर (रेखाचित्र) – रामवृक्ष बेनीपुरी
3. कूड़ा बीनते बच्चे (कविता) - अनामिका
4. दबे पैरों से उजाला आ रहा है (गीत) – यशमालवीय

इकाई:- II व्यावहारिक हिंदी **Credit – 1 Lectures - 15**

1. फिल्म समीक्षा:-('मदरइंडिया', 'पहेली', 'देवदास','मांझी-दमाऊंटन मैन' फिल्मों पर आधारित)
2. वृत्तांत लेखन:- ('जयंती', 'अकादमिक समारोह', 'प्राकृतिक आपदा', 'दुर्घटना'आदि परआधारित)
3. साक्षात्कार लेखन:- बिना शोध और संधान के मैं लिख नहीं पाऊंगा (संजीव का साक्षात्कार)

   – डॉ. गिरीश काशिद

संदर्भ:-

1. हिंदी कहानी का विकास (भाग 1 और 2)- गोपाल राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- बच्चन सिंह
3. हिंदी कहानी: स्वरूप और संवेदना – राजेंद्र यादव
4. प्रयोजन मूलक हिंदी- डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. कथाकार संजीव- सं. डॉ. गिरीश काशिद, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2007
6. https://www.youtube.com/watch?v=HWyIJ92Acjg&t=1538s
7. https://www.youtube.com/watch?v=GzBMQihulz4
8. https://www.youtube.com/watch?v=QtARmMCC6Ko
9. https://www.youtube.com/watch?v=OKmKh1wddEk

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

1. बहु विकल्पी 6 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)
2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)
3. टिप्पणी लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

कुल अंक = 30

B. A. - I Hindi Semester - I
बी. ए. भाग - 1 हिंदी प्रथम सत्र
VSC - I
Name of the Paper: - Kathetar Sahitya (Rekhachitra Evam Jivani)
प्रश्नपत्र का नाम: कथेतर साहित्य (रेखाचित्र एवं जीवनी)
(Credit Theory – 2, Practical 0, Total Theory Lectures 30)

With effect from June - 2024

2024 से प्रारंभ

प्रस्तावना / Introduction:-

हिंदी कथेतर साहित्य में रेखाचित्र एवं जीवनी का महत्वपूर्ण स्थान है। शब्दों के माध्यम से किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व को जब रेखांकित किया जाता है, उसे रेखाचित्र कहते हैं। अर्थात् रेखाचित्रकार उस व्यक्ति को इस रूप में रेखांकित करता है कि वह व्यक्ति उस रेखाचित्र को पढ़ने के बाद साकार रूप में उपस्थित होता है। तो में जीवनी किसी अन्य व्यक्ति के जीवन को जीवनीकार कलात्मक एवं साहित्यिक रूप में अभिव्यक्त करता है। जीवनी में निष्पक्षता, सत्यता एवं लोकाभिमुखता की अपेक्षा होती है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. छात्रों को रेखाचित्र विधा से परिचित कराना।
2. छात्रों को जीवनी विधा से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. छात्र रेखाचित्र विधा से परिचित होंगे।
2. छात्र जीवनी विधा से परिचित होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

अध्यनार्थ विषय:-

इकाई - I रेखाचित्र **Credit-1 Lecture-15**

1. रेखाचित्र: अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
2. बैजू मामा - रामवृक्ष बेनीपुरी
3. प्रथम भेंट – अंतिम भेंट – महादेवी वर्मा

इकाई - II जीवनी **Credit-1 Lecture-15**

1. जीवनी: अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
2. मेरा जीवन- प्रेमचंद
3. धरती और धान– पांडेय बेचन 'शर्मा'

संदर्भ:-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य: युग और प्रवृत्तियाँ - डॉ. शिवकुमार शर्मा
3. हिंदी साहित्य का इतिहास- आ. नगेंद्र
4. https://www.youtube.com/watch?v=DIZGouOduww
5. https://www.youtube.com/watch?v=2aTvExcDzBg
6. https://www.youtube.com/watch?v=gLtpa2jvMwg
7. https://www.youtube.com/watch?v=toKfy8bWLzU

Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

Name of faculty: Humanities

मानव्यविद्या शाखा

CBCS & NEP - 2020 Syllabus

चयनाधारित श्रेयांक पद्धति एवं

राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के नुसार पाठ्यक्रम

Name of the Course

B.A. Hindi Part-I Sem. II

बी. ए. हिंदी भाग- 1 सत्रः 2

Papers

प्रश्नपत्र

DSC - II, GE - II, VSC - II, SEC - I

With effect from June 2024

जून 2024 से आरंभ

B. A. - I Year Hindi, Semester - II

बी. ए. प्रथम वर्ष हिंदी, सत्र- द्वितीय

(Choice Based Credit- System)

सी. बी. सी. एस. प्रणाली के अनुसार

National Education Policy – 2020

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020

शै. वर्ष - 2024-25 से

Level	Code	Title of the paper	Semester Exam.			Credit	Lectures	Total Com. Credit-s	Degree
4.5	Sem.- II		Theory		Total				
			UA	CA				10	UG 3 Year
		Major Mandatory							
	DSC -II	आधुनिक हिंदी कहानी	60	40	100	4.00	60		
		Mandatory Elective (Any One)							
	GE-II	प्रयोजन मूलक हिंदी	30	20	50	2.00	30		
	VSC-II	कथेतर साहित्य (निबंध एवं यात्रा साहित्य)	30	20	50	2.00	30		
	SEC-I	रोजगार परक हिंदी (साक्षात्कार एवं पटकथा)	30	20	50	2.00	30		

B. A. - I Hindi Semester - II
बी. ए. भाग –1, हिंदी, द्वितीय सत्र
DSC - II
Name of the Paper:- Aadhunik Hindi Kahani
प्रश्नपत्र का नाम: आधुनिक हिंदी कहानी
(Credit Theory- 04, Practical's- 0, Total Theory Lectures – 60)
With effect from June - 2024
जून 2024 से आरंभ

प्रस्तावना / Introduction

हिंदी का कहानी साहित्य विषय वैविध्य की दृष्टि से काफी समृद्ध रहा है। तत्कालीन विभिन्न परिस्थितियों एवं समस्याओं का चित्रण करना इन कहानियों का मुख्य उद्देश्य रहा है। इस काल की कुछ ऐसी ही चर्चित कहानियों का अध्ययन किए बिना इस काल के कहानी साहित्य का साहित्यिक मूल्यांकन करना उचित नहीं लगता। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में नारी-विमर्श, दलित-विमर्श, आदिवासी विमर्श, आँचलिक, सामाजिक, देश विभाजन पर आधारित और अन्य सामाजिक समस्याओं का चित्रण करनेवाली कुछ कहानियों को सम्मिलित करने का मुख्य उद्देश्य रहा है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. छात्रों को हिंदी कहानीकारों से परिचित कराना।
2. कहानी कला के प्रति अभिरुचि और समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना।
3. आधुनिकता बोध और नये मूल्यों के प्रति देखने का नजरिया विकसित कराना।
4. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पना शीलता को बढ़ावा देना।

पाठयक्रम सीखने के परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. छात्रों में हिंदी कहानी साहित्य के प्रति रुचि निर्माण होंगी।
2. छात्रों को कहानी के माध्यम से विभिन्न सामाजिक विषयों की जानकारी होंगी।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. कहानीकार और कहानी पर कक्षा संगोष्ठी आयोजन

अध्ययनार्थ कहानियाँ –

इकाई – I कहानियाँ **Credit 1 Lectures - 15**

1. उसने कहा था- चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
2. ईदगाह - प्रेमचंद
3. परदा - यशपाल

इकाई – II कहानियाँ **Credit 1 Lectures - 15**

1. मलबे का मालिक - मोहन राकेश
2. अमृतसर आ गया - भीष्म सहानी
3. पिता - ज्ञानरंजन

इकाई – III कहानियाँ **Credit 1 Lectures - 15**

1. तीसरी कसम - फणीश्वरनाथ रेणु
2. भोलाराम का जीव- हरिशंकर परसाई
3. परती जमीन – पीटर पाल एक्का

इकाई – IV कहानियाँ **Credit 1 Lectures – 15**

1. मैं हार गई - मन्नू भंडारी
2. बाजार में राम धन - कैलाश बनवासी
3. एक देर शाम - अजय नावरिया

संदर्भः-

1. हिंदी कहानी का विकास (भाग – 1 और 2) – गोपालराय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
3. आधुनिकता के संदर्भ में हिंदी कहानी – नरेंद्र मोहन
4. हिंदी कहानी संरचना और संवेदना – डॉ. साधनाशाह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी कहानी की इक्कीसवीः सदी पाठ के पास : पाठ से परे – संजीव कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आधुनिक हिंदी कहानी – डॉ. लक्ष्मीनारायणलाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
7. समकालीन हिंदी कहानी – डॉ. कमलाप्रसाद, हरियाना साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
8. नई कहानीः संदर्भ और प्रकृति – डॉ. देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. हिंदी कहानी का इतिहास – डॉ. गोपालराय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्न पत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

6. बहु विकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)
7. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)
8. टिप्पणी लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)
9. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)
10. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

कुल अंक = 60

B. A. - I Hindi Semester - II

बी. ए. भाग – 1 हिंदी द्वितीय सत्र

GE - II

Name of the Paper:- Prayojanmulak Hindi

प्रश्नपत्र का नाम: प्रयोजन मूलक हिंदी

(Credit Theory- 02 Practical's- 0 Total Theory Lectures – 30)

With effect from June - 2024

2024 से प्रारंभ

प्रस्तावना / Introduction

प्रयोजनमूलक हिंदी अर्थात कार्यालयीन हिंदी या कामकाजी हिंदी है। वैश्वीकरण के युग में विश्वमंच पर हिंदी की स्वीकार्यता को देखकर हर क्षेत्र में सरकारी कार्यालय, जनसंचार माध्यम तथा शैक्षिक संस्थान आदि सभी जगह पर हिंदी माध्यम में कार्य करने वाले कुशल व्यक्ति की आवश्यकता है। इसी आवश्यकता को केंद्र में रखते हुए यह पाठ्यक्रम प्रयोजनमूलक हिंदी के रूप में तैयार किया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. छात्रों में हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी के प्रति अभिरुचि संवर्धित कराना।
2. छात्रों को कार्यालयीन पत्राचार के विविध प्रकारों की जानकारी देना।
3. आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा जनसंचार माध्यमों का परिचय देना।
4. हिंदी में रोजगार कौशल प्राप्त करने के लिए छात्रों को सक्षम कराना।

पाठयक्रम सीखने के परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. हिंदी के प्रयोजनमूलक और व्यवहारिक पक्ष को सरलता से समझ सकेंगे।
2. दैनिक जीवन के विविध क्षेत्रों के हिंदी पत्राचार की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3. आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा जनसंचार माध्यमों का परिचय प्राप्त होगा।
4. हिंदी में रोजगार प्राप्त करने का कौशल विकसित होगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण
2. स्वाध्याय तथा गुट चर्चा
3. हिंदी के विविध कार्यालयों में प्रत्यक्ष भेंट
4. अध्यापन में नव - इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का आवश्यकतानुरूप प्रयोग

अध्यनार्थ विषयः-

इकाई – I हिंदी और मीडिया **Credit 1 Lectures - 15**

1. जनसंचार माध्यम: परिभाषा और महत्त्व
2. मुद्रित माध्यम - समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, बैनर
3. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम - रेडियो, दूरदर्शन, इंटरनेट, फिल्म
4. आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक मीडिया -फेसबुक, व्हाट्सएप, गूगल, ईमेल, ईंस्टाग्राम, यूट्यूब, टेलीग्राम, ई-समाचार, ट्यूटर

इकाई – II पत्र लेखन **Credit 1 Lectures - 15**

1. पत्र लेखन के उद्देश्य, पत्र के अंग और प्रकार
2. नौकरी के लिए आवेदन पत्र
3. शिकायती पत्र, पदाधिकारियों के नाम पत्र
4. कार्यालय आदेश एवं ज्ञापन

संदर्भः-

1. प्रयोजनमूलक हिंदीः आधुनातन आयाम - डॉ अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन , कानपुर
2. प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉ माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
3. मीडिया लेखनः सिद्धांत और व्यवहार – डॉ. चन्द्रप्रकाश मिश्र, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रयोजनमूलक हिंदीः प्रकिया और स्वरूप - कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार – डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा

प्रश्न पत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

5. बहुविकल्पी 6 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)
6. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)
7. टिप्पणी लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)
8. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

कुल अंक = 30

B. A. - I Hindi Semester - II
बी. ए. भाग - 1 हिंदी द्वितीय सत्र
VSC - II
Name of the Paper:- Kathetar Sahitya (Nibandha Evam Yatra Sahitya)
प्रश्नपत्र का नाम: कथेतर साहित्य (निबंध एवं यात्रा साहित्य)
(Credit Theory - 02, Practicals - 0, Total Theory Lectures – 30)

With effect from June - 2024

2024 से प्रारंभ

प्रस्तावना / Introduction:-

कथेतर साहित्य में निबंध एवं यात्रा साहित्य महत्वपूर्ण विधाएँ हैं। हिंदी का निबंध साहित्य वैचारिकता, लालित्य, व्यंग्य जैसे विषयों को लेकर पाठक को रोचक एवं ज्ञानवर्धक विचारों की अनुभूति कराता है। यात्रा साहित्य भले ही किसी एक व्यक्ति के यात्रा वर्णन को हमारे सामने रखता हो किन्तु उसके माध्यम से भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं कलागत परिवेश रू-ब-रू होता है। दोनों भी विधाएँ भले ही अलग हो किन्तु ज्ञान, परिवेशगत एवं विचारगत जिज्ञासा आदि की पूर्ति करने में सक्षम हैं।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. छात्रों को निबंध विधा से परिचित कराना।
2. छात्रों को यात्रा विधा से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. छात्र निबंध विधा से परिचित होंगे।
2. छात्रों में यात्रा साहित्य के प्रति रूचि निर्माण होंगी।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

अध्यनार्थ विषय:-

इकाई - I निबंध **Credit-1 Lecture-15**

1. निबंध:अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
2. नाखून क्यों बढते हैं – हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. मेरा देश वापस लाओ – विद्या निवास मिश्र

इकाई - II यात्रा साहित्य **Credit-1 Lecture-15**

1. यात्रा साहित्य: अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
2. बहता पानी निर्मला – अज्ञेय
3. ठेले पर हिमालय – धर्मवीर भारती

संदर्भ:-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास- आ. नगेंद्र
2. हिंदी साहित्य: युग और प्रवृत्तियाँ - डॉ. शिवकुमार शर्मा
3. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. रामचंद्र शुक्ल
4. https://www.youtube.com/watch?v=f83wdZQi5p4
5. https://sahityaganga.com/%E0%A4%B5%E0%A4%BF%E0%A4%A6%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%A8%E0%A4%BF%E0%A4%B5%E0%A4%BE%E0%A4%B8 %E0%A4%AE%E0%A4%BF%E0%A4%B6%E0%A5%8D%E0%A4%B0/
6. https://www.youtube.com/watch?v=Hax104VEbMo
7. https://www.youtube.com/watch?v=X2NX5bhpi4Q

B. A. - I Hindi Semester - II
बी .ए .भाग - 1 हिंदी द्वितीय सत्र
SEC - I
Name of the Paper: Rojgaarparak Hindi (Sakshatkar Evam Patkatha)
प्रश्नपत्र का नाम :रोजगारपरक हिंदी (साक्षात्कार एवं पटकथा)
(Credit Theory- 02, Practical's- 0, Total Theory Lectures – 30)

With effect from June - 2024

जून 2024 से आरंभ

प्रस्तावना / Introduction

वर्तमान युग को जनसंचार माध्यम का युग कहा जाता है। तकनीकी विकास के कारण चतुर्दिक दिशाओं में जनसंचार का महत्व दिन-ब-दिन बढता ही जा रहा है। जनसंचार माध्यम के कारण विशेष उल्लेखनीय कार्य करनेवाले व्यक्ति भी दुनिया के सामने उभरकर आए हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए वे एक दिशा देने का कार्य कर सकते हैं। युवकों के लिए प्रेरणास्थान बन सकते हैं,चाहे वे व्यक्ति आम हो, सेलिब्रिटी या किसान आदि के साक्षात्कार से विद्यार्थियों को विशिष्ट अनुभव प्राप्त होकर अपना जीवन रोजगारयुक्त बना सकेंगे।विद्यार्थी पटकथा लेखन की कुशलता से अवगत होकर उसे आजीविका का माध्यम बना सकेंगे।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course Objectives

1. छात्रों को साक्षात्कार तथा पटकथा लेखन की तकनीक से अवगत कराना।
2. साक्षात्कार लेखन कला को विकसित कराना।
3. साहित्यिक विधाओं का पटकथा में रूपांतरण करनेकी कला को विकसित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. छात्र साक्षात्कार तथा पटकथा लेखन की तकनीक से अवगत होगे।
2. छात्रों में साक्षात्कार लेखन कला का विकास होंगा।
3. छात्र साहित्यिक विधाओं का पटकथा में रूपांतरण करने में सक्षम होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

अध्ययनार्थ विषयः-

इकाई – I साक्षात्कार एवं पटकथा **Credit – 1 Lectures - 15**

1. साक्षात्कार: अर्थ, परिभाषा एवं महत्व
2. साक्षात्कार का उद्देश्य
3. पटकथा: अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
4. पटकथा लेखन के तत्व
5. प्रात्यक्षिक कार्य (साक्षात्कार एवं पटकथा)

इकाई – II **Credit – 1 Lectures - 15**

1. अनुवाद: अर्थ, परिभाषा एवं महत्व
2. अनुवाद के प्रकार एवं प्रक्रिया
3. विज्ञापन: अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
4. विज्ञापन के प्रकार एवं प्रक्रिया
5. प्रात्यक्षिक कार्य (प्रत्यक्ष अनुवाद एवं विज्ञापन लेखन)

संदर्भ -

1. पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी
2. कथा-पटकथा : मन्नू भंडारी
3. हिंदी में पटकथा लेखन: ज़ाकिर अलीर जनिश, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
4. मीडिया विमर्श: सिनेमा विशेषांक (हिंदी पत्रिका), 2 मार्च 2013
5. https://egyankosh.ac.in/
6. परछाईं का सच – नर्मदा प्रसाद उपाध्याय
7. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार – डॉ. ठाकुर दत्त शर्मा
8. साक्षात्कार – कुमार पंकज
9. अनुवाद विज्ञान की भूमिका - कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – डॉ. सुरेशकुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11. विज्ञापन की दुनिया- कुमुद शर्मा, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
12. विज्ञापन व्यवसाय एवं कला- डॉ. रामचंद्रतिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

1. बहुविकल्पी 6 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)
2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)
3. टिप्पणी लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

कुल अंक = 30